शांति भंग करने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

पानसेमल। पुलिस थाने पर सोमवार को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें शांति समिति के सदस्यों सहित अधिकारी, कर्मचारी और समाज के वरिष्ठजन मौजूद रहे। थाना प्रभारी मंशाराम वगेन ने बताया कि होली और भगोरिया सहित अन्य त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने सहित यातायात व्यवस्थाओं व अन्य विषयों पर चर्चा की गई। त्योहारों में शांति भंग करने वालों पर वैधानिक कार्रवाई की बात कही है। साथ ही बताया कि यातायात को लेकर लम्बे समय से मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या चली आ रही है। जिसे लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि जल्द से जल्द उक्त समस्या का हल निकाला जाएगा। बैठक में गोपाल भंडारी द्वारा हेलमेट को लेकर जागरूक करते हुए इसके फायदे बताए गए। साथ ही सभी से हेलमेट लगाने की अपील की। इस दौरान नायब तहसीलदार राजाराम रानाडे, थाना प्रभारी मंशाराम वगेन, नगर परिषद सीएमओ संतराम चौहान, उपाध्यक्ष साहेबराव चौधरी, जनपद उपाध्यक्ष लालसिंह पवार, नगर परिषद दरोगा सतीलाल मराठे, पंडित भटू कुलकर्णी, दिलीप सोनी, संदीप चौधरी, विद्युत विभाग से रवि महाजन, नगर के वरिष्ठजन एवं शांति समिति सदस्य मौजूद थे।

मुर्गी पालन से आत्मनिर्भरता की नई दिशा

बड़वानी। राज्य शासन की मंशानुसार और कलेक्टर जिला जयति सिंह के मार्गदर्शन में आकांक्षी विकास खंड पाटी में मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, पशुपालन विभाग और रिलायंस फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से स्व सहायता समूह सदस्यों को मुर्गी पालन गतिविधि को अपना कर आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने में मदद की जा रही है। 23 फरवरी को पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग द्वारा वनबंधू कड़कनाथ योजनांतर्गत शेड निर्माण कर मुर्गी पालन कर रहे स्व सहायता समूह के 128 सदस्यों को 128 यूनिट (प्रति यूनिट 24 कड़कनाथ चूजे) 3072 कड़कनाथ चूजे वितरित किए गए। रिलायंस फाउंडेशन द्वारा स्व सहायता समूहों से जुड़ी 100 सदस्यों के यहां मूर्गी शेड के लिए जाली एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया है और समूह सदस्यों ने लोन लेकर एवं पशुपालन विभाग के सहयोग से 10122 चूजों के साथ मूर्गी पालन गतिविधि शुरू कर दी है। मूर्गी पालन गतिविधि को अपना कर जहां एक ओर परिवारों की आय में वृद्धि होगी, वे आत्मनिर्भर बनेंगे, साथ ही पलायन से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी।

कार-डायल 112 वाहन आमने-सामने भिड़े

दो बच्चों सहित पांच लोग घायल, नागलवाड़ी थाना क्षेत्र में भीषण हादसा

सेंधवा, (नवभारत)। नागलवाड़ी थाना क्षेत्र में ओझर-नागलवाड़ी रोड पर कार और डायल 112 वाहन की आमने-सामने टक्कर में दो बच्चों सहित पांच लोग घायल हो गए। हादसा लहड़गांव फाटे के पास हुआ। सूचना के बावजूद 108 एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में रोष देखा गया।

जानकारी अनुसार नागलवाड़ी थाना क्षेत्र में सोमवार को ओझर-नागलवाड़ी रोड पर कार और पुलिस की डायल 112 गाड़ी के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। बताया गया कि डायल 112 वाहन नागलवाड़ी से ओझर की ओर जा रहा था, जबकि कार ओझर से नागलवाड़ी की तरफ आ रही थी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

दो बच्चों सहित पांच घायल

कार में सवार धन्नालाल, राहुल और सीमा के सिर एवं चेहरे पर गंभीर चोटें आई। दो बच्चों को भी हल्की चोटें लगी। पास के खेतों में काम कर रहे मजदूरों और पुलिस ने मिलकर सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

एंबुलेंस देरी से पहुंचने पर नाराजगी

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों का कहना था कि सूचना देने के एक घंटे बाद भी 108 एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। बाद में जानकारी मिली कि एंबुलेंस वरला क्षेत्र से आ रही थी, जिससे देरी हुई। अंतत: घायलों को निजी वाहनों से अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को थाने में खड़ा करा लिया है और मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

जिला अस्पताल रैफर

- मजदूरों और पुलिस ने तुरंत लोगों को निकाला
- घायलों के सिर और चेहरे में गंभीर चोटें...

सिकल सेल एनीमिया जागरूकता शिविर लगा

पानसेमल, (नवभारत)। लोगों में सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता लाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष शिविर लगा। मरीजों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना भी इसका एक उद्देश्य रहा। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। 71 सिकल सेल मरीजों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र मौके पर ही तैयार किए गए। साथ ही सिकल सेल की जांच और उपचार के लिए 140 नए मरीजों का पंजीयन किया। स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 52 लोगों का वैक्सीनेशन भी कराया गया। स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि सिकल सेल एनीमिया एक वंशानुगत रक्त रोग है। शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र हितग्राही सुविधाओं से वंचित नहीं रहे। इसी कड़ी में यह विशेष अभियान चलाया गया।

19 मरीजों की आंखों का नि :शुल्क लैंस प्रत्यारोपण

बड़वानी।(नवभारत)। जिला चिकित्सालय में सोमवार को सीएमएचओ डॉ सुरेखा जमरे और डॉ मनोज खन्ना के मार्गदर्शन में नेत्र शिविर आयोजित हुआ। जिसमें लोनसरा, तलून, खम सजवानी, गंधावल, पाटी, सेंधवा, ओझर और खरगोन व धार जिले से 44 नेत्र मरीज आंखों की जांच कराने आए थे।

सचिन शर्मा ने बताया कि नेत्र परीक्षण कैम्प कोऑर्डिनेटर रविन्द्र टेकाम, डीडीपीएम अनिल राठौड़ और डॉ स्वीटी जैन ने किया। ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच सिस्टर लक्ष्मी बेगा ने की। वार्ड बाय सुधीर सोनाने और धर्मेंद्र बिल्लौरे ने व्यवस्थाएं सम्भाली।

महेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि परीक्षण के बाद 27 मरीज में मोतियाबिंद के लक्षण मिले। 8 को टेरिजियम होने से लैंस प्रत्यारोपण नहीं किया सका। 19 मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए इंदौर भेजा है। लायंस क्लब बड़वानी सिटी द्वारा नि:शुल्क भोजन कराया गया। आगामी शिविर 13 मार्च को आयोजित होगा।

एक नजर में — बड़वानी के आदर्श महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का रंगारंग समापन

सकारात्मक सोच-संघर्ष बनाता है अव्वल : डॉ. सोलंकी

नवभारत न्यूज़
बड़वानी 24 फरवरी

शासकीय आदर्श महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का समापन राज्यसभा सांसद डॉ सुमेर सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। डॉ सोलंकी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि हमें विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए सकारात्मक संघर्ष सोच से सतत रूप से कार्य करना होगा। जीवन में ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे हम सोचते हैं, उसे कर नहीं सकते, इसके लिए हमें क्वालिटी टाईम देना होगा और सतत प्रयास करना होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वप्न विकसित भारत 2047 की सफलता युवाओं के कंधों पर प्रत्येक युवा साथी अपनी ऊर्जा को नकारात्मक लोगों से बचाकर अपने माता-पिता की आशाओं पर उम्मीदों पर खरा उतर कर साबित करें।

प्राचार्य डॉ प्रमोद पंडित ने कहा कि राज्यसभा सांसद के प्रयासों से महाविद्यालय को कई तरह से लाभ प्राप्त हुए। आज का युग आधुनिक तकनीक का युग है। विद्यार्थी इसका आधिकारिक उपयोग करते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाएं। अतिथि परिचय डॉ बीएस मुजाल्दा ने दिया। विशेष अतिथि के रूप में विधायक राजन मंडलोई के प्रतिनिधि व महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के सदस्य बलराम यादव, करी पिपलाज पंचायत के सरपंच रामेश्वर वास्कले और अतिथि उपस्थित थे।

सांस्कृतिक विधाओं अंतर्गत कई आयोजन हुए। निर्णायक के रूप में प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज के डॉ श्याम नायक, शासकीय विधि महाविद्यालय के डॉ आयुषी और शासकीय महाविद्यालय अंजड़ के डॉ अनिल सोलंकी उपस्थित थे। अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत वर्ष भर की गतिविधियां और एनएसएस कैम्प में सहभागिता और विशिष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और मैडल देकर सम्मानित किया। युवा उत्सव और अन्य वार्षिक गतिविधियों में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को भी प्रमाण-पत्र दिया।

कार्यक्रम का संचालन

अतिथियों का आभार डॉ बीएस मुजाल्दे ने व्यक्त किया। डॉ अनिल पाटीदार ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा डॉ दिनेश पाटीदार ने आभार व्यक्त किया।

20 से ज्यादा स्कूल के स्काउट एवं गाइड सम्मानित

- स्काउटिंग के संस्थापक बैडेन पावेल की जयंती पर शताब्दी चिंतन दिवस मनाया

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज स्काउट के संस्थापक लार्ड बेडेन पावेल की जयंती को चिंतन दिवस के रूप में मनाया गया. इस दौरान 20 स्कूलों के विभिन्न वर्गो में स्काउटिंग करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया. इस मौके पर राज्य सचिव ने आगामी मई जून में जिला स्तर पर स्काउट रैली होने के जानकारी दी.

आज चिमनबाग पर स्थित स्काउट एवं गाइड जिला संघ मैदान पर स्काउट के संस्थापक लार्ड बेडेन पावेल की जयंती पर शताब्दी वर्ष को विश्व चिंतन दिवस के रूप में मनाया गया. इस मौके पर जिला संघ मैदान पर पूर्व संभागायुक्त और पूर्व राज्य कमिश्नर अशोक भार्गव और स्काउट के राज्य सचिव बीएल शर्मा मुख्य अतिथि थे. समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व राज्य कमिश्नर और आईएएस अशोक भार्गव ने कहा कि लार्ड बेडेन पावेल ने स्काउटिंग को अमेरिका तक पहुंचाया है. स्काउट का मतलब है कि निस्वार्थ सेवा, ईमानदारी, अनुशासन और निडरता से समाजसेवा के काम करना है. उन्होंने इलाहबाद कुंभ के दौरान मदन मोहन मालवीय द्वारा स्काउटिंग की परीक्षा लेने का बच्चों को वृतांत सुनाया और स्काउटिंग सेवाकार्य की महत्वता बताई. कार्यक्रम में मौजूद स्काउट एवं गाइड बच्चों से भार्गव ने कहा स्काउट बन गए तो जीवन में दूसरो से अलग विशेष व्यक्तित्व के बन जाते है।

समारोह में 20 से ज्यादा स्कूलों के बच्चों को स्काउटिंग के विभिन्न वर्गो और स्तर पर कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया. चिंतन दिवस के अवसर पर जिला अध्यक्ष भूपेंद्र अडसूले ने अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया. इस मौके पर जिला संघ उपाध्यक्ष मुकेश राय, अनिल बागौरा, राजेश मार्गेट, राकेश पंडित, ज्योति सोलंकी, प्रकाश गंगराड़े सहित जिला संघ के पदाधिकारियों मौजूद थे. कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव दिलीप मेहता और आभार वैजयंती गहलोत ने आभार माना.

इंदौर प्रदेश में सबसे आगे

समारोह में राज्य सचिव बीएल शर्मा ने कहा कि इंदौर पर प्रदेश में स्काउट की गतिविधियों में सबसे आगे है. इंदौर ने राष्ट्रीय स्तर पर स्काउटिंग में प्रदेश का नाम रोशन किया है. शर्मा ने बताया कि पूरे प्रदेश में 1 लाख 42 हजार स्काउट एवं गाइड स्काउटिंग आंदोलन से जुड़े हुए है. मैं स्थानीय स्काउटिंग टीम को भोपाल से हर स्तर पर खुले हाथों से मदद करने का वादा करता हूं. आगामी मई जून महीने में पूरे प्रदेश जिला स्तर की स्काउट रैली आयोजित की जाएगी, जिससे स्काउटिंग से बच्चों को जुड़ने का प्रोत्साहन मिलेगा.

औदुम्बर ब्राह्मण महासभा की साधारण सभा आयोजित

इंदौर. औदुम्बर ब्राह्मण समाज की पंजीकृत संस्था श्री औदुम्बर ब्राह्मण महासभा इंदौर की साधारण सभा आशुतोष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई. यह जानकारी महासभा के प्रधानमंत्री मनीष पाठक ने दी. उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 का आय- व्यय विवरण, स्थिति पत्रक श्री शैलेंद्र शर्मा ने प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया. अध्यक्ष श्री शर्मा ने महासभा के आगामी 3 वर्षीय निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल शर्मा एडवोकेट का परिचय उपस्थित सदस्यों को दिया. इस अवसर पर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप जोशी, महासभा इंदौर के उपाध्यक्ष सुनील चौधरी, किरण परसाई तथा अन्य पदाधिकारी, सदस्य गण एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे. प्रश्नोत्तर काल में सतीश जोशी, धीरज दुबे,अभिमन्यु जोशी, निर्मल उपाध्याय, उमेश द्विवेदी, नागेश्वर द्विवेदी, अजय बक्षी, दिलीप दुबे, रंजना शर्मा, दिनेश दुबे, राखी दुबे इत्यादि ने प्रश्न किये. आगामी निर्वाचन तक साधारण सभा स्थगित की गई.

जनक दीदी ने बच्चों को सिखाया प्राकृतिक रंग बनाना

- प्रशिक्षण सप्ताह का किया शुभारंभ

इंदौर. जनक दीदी ने होली के लिए प्राकृतिक रंग बनाने का प्रशिक्षण सप्ताह अपने गाँव के लोगों से ही शुरू किया. जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर सेंटर की निदेशिका और पर्यावरण को समर्पित समाजसेविका, गाँव सनावादिया की चार पीढ़ियों की जनक दीदी से बच्चे, युवा और परिवार बड़े उत्साह और उल्लास से प्राकृतिक रंग बनाने सीखने आये.कार्यक्रम का शुभारंभ गाँव के सामाजिक दम्पति लक्ष्मीबाई भंडारी और इंद्र भंडारी के मुख्य आतिथ्य में आदिवासी बस्ती के बच्चों और जनक दीदी द्वारा ईशवंदना से हुआ. दीदी ने सभी का स्वागत कर इस प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य बताते हुए कहा कि भगवान कृष्ण के समय से चली आ रही होली के पावन त्यौहार को पावनता से मनाना ज़रूरी है.. पिछले 15 वर्षों से होली के लिए प्राकृतिक रंग बनाने का प्रशिक्षण नि:शुल्क प्रशिक्षण दे रही हूँ. मैंने प्रकृति के साथ रहते हुए जो सीखा है उसे कुछ रंग बनाना सिखाऊँगी. उन्होंने बोगनविलिया, अंबाड़ी, पलाश (टेसू), सिन्दूर, पारिजात ,पोई चुकंदर एवं गीले प्राकृतिक रंग बनाकर सिखाए. प्राकृतिक रंग सीखने के बाद बच्चों ने बताया कि अभी तक बाज़ार से रासायनिक रंगों से ही होली खेलते रहे है और उससे फेस पर,आँखों नाक गले में एलरजी होती त्वचा खराब होती है. लेकिन अब हमेशा प्राकृतिक रंग रंग बनाकर स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल होली खेलेंगे.

कार्यक्रम में परिवार सहित आए इंद्र भंडारी व लक्ष्मी भंडारी, देवगुराडिया ग्राम सचिव मनोज नागर, महेंद्र धाकड़, दीदी के राखी वाले भाई मान सिंह धाकड़ के परिवार के बच्चे, दीदी के प्रशिक्षित इंटर्न निलेश चौहान मास्टर ऑफ सोशल वर्क, विनोद यादव, हाकी खिलाडी अंश और रुद्राक्ष धाकड़, बिहाड़िया फाटा के बच्चे, गांव के पड़ोसी कपिल जी एवं उनका परिवार तथा स्वतंत्र पत्रकार व्योमकेश ने सभी को प्रोत्साहित किया.

इम्पेक्टफुल रोल करना है पसंद : रकुलप्रीत

- निजी कार्यक्रम में शामिल होने आई अभिनेत्री

इंदौर. मुझे ऐसे किरदार पसंद **हैं, जो कहानी में अहम भूमिका निभाएं और दर्शकों पर छाप छोड़ें. किरदार की कहानी में भूमिका भले ही छोटी हो लेकिन वह ऐसी हो जो फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाए, प्रभावपूर्ण हो और याद रखा जाए. मैं इम्पैक्टफुल रोल करना पसंद करती हूं,**

यह कहना है अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह का. वे रविवार को शहर में थीं और केडब्ल्यूसी लक्ज़रियों के एनिवर्सरी पर आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने आई थी. यहां उन्होंने कुछ घड़ियाँ देखीं और कमल ग्रुप के डायरेक्टर से बातचीत की और प्रशंसकों से भी भेंट की. मीडिया से चर्चा में कहा कि मैं पहली बार इंदौर आई हूं और यहां आकर बहुत खुशी हो रही है. यहां के खाने-पीने की काफी तारीफ सुनी है, इसलिए जब भी मौका मिलेगा, यहां की चाट जरूर चखना चाहूंगी. शहर की सफाई देखकर भी बहुत अच्छा लगा. कोशिश करूंगी कि जब भी मौका मिले इंदौर जरूर आऊं. रकुलप्रीत ने कहा कि घड़ी सिर्फ समय बताने का साधन नहीं, बल्कि इंसान की पहचान भी होती है. घड़िया टाइमलेस एलिमेंट होती है. वक्त हमेशा अच्छा रहे इसलिए अच्छी घड़ी पहनना भी एक तरह से सकारात्मक सोच का प्रतीक है.

फिल्म चुनते समय कई पहलुओं पर देती हूं ध्यान

फिल्मी करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं जब भी कोई फिल्म चुनती हैं तो कई पहलुओं पर ध्यान देती हैं . फिल्म किसी एक चीज पर निर्भर नहीं करती है, यहां कई पहलुओं का कॉम्बीनेशन होता है . कभी स्क्रिप्ट बहुत मजबूत होती है, कभी निर्देशक शानदार होता है, तो कभी सह-कलाकार अच्छा होता है . मैं इन सभी बातों को देखकर ही फैसला लेती हूं . हालांकि इस समय मैं अपने करियर के जिस दौर में हूं, वहां लगातार अच्छे और असरदार रोल करना चाहती हूं . भविष्य में मैं हिस्टोरिकल बायोपिक या रोमांटिक फिल्म करना चाहूंगी

एक नजर में — आलाप परिवार और यशवंत क्लब का संयुक्त आयोजन

शास्त्रीय गायिका स्मिता ने भक्ति गीतों की गंगा बहाई

इंदौर. रविवार सुबह की गुलाबी ठंड में यशवंत क्लब परिसर नारी स्वरों से गूंज उठा. शास्त्रीय गायिका स्मिता मोकाशी ने भक्ति गीतों की दमदार प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को अध्यात्म से सराबोर कर दिया.

कार्यक्रम का आयोजन आलाप परिवार और यशवंत क्लब ने मिलकर किया था. यह जानकारी आलाप परिवार के संस्थापक विजय पारेख एवं संयोजक हर्षवर्धन लिखिते ने दी. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की थीम ईश- भक्ति, नारी-भक्ति थी। इसलिए मंच पर शुरू से लेकर समापन तक नारी शक्ति की ही मौजूदगी रही. कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय गायिका स्मिता मोकाशी ने राग ललित पर बंदिश गायी. शुरुआत छोटा ख्याल और बाद में बड़ा ख्याल से की. इसके बाद उन्होंने भक्ति गीतों की गंगा बहाई. स्मिता ने मनवा चल जमुना की और... शिव कैलाश के वासी.... चलो मन वृंदावन की ओर.... रंगी सारे चुनरिया.... और बाजे रे मुरलिया गाकर रसिकजनों को भाव- विभोर कर दिया. कार्यक्रम में बांसुरी वादिका सुश्री रेणुका लिखिते ने बांसुरी पर, तबले पर संगीता अग्निहोत्री और सितार पर स्मिता वाजपेयी ने संगत दी. हार्मोनियम पर रचना पौराणिक और ऑक्टोपेड पर आयुषी मकवाना ने सुधी संगत दी. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सरिता राव एवं प्रसिद्ध कथक गुरु एवं नृत्यांगना सुचित्रा हरमलकर थी. डॉ. राव ने हृदय रोग और उसके बचाव पर अपना संबोधन दिया. कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रसारक रणजीत सतीश बागड़िया को आलाप जीवन गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया. अतिथि स्वागत रूपलता पारेख, मनीषा लिखिते एवं शीतल पारेख ने किया. संचालन जयति बेहेरे ने किया. कार्यक्रम में बीसीसीआई के पूर्व सचिव संजय जगदाले, शास्त्रीय गायक गौतम काले, समाजसेवी पुरुषोत्तम वाघमारे, डॉ सुरेंद्र दिल्लीवाल, सहित बड़ी संख्या में रसिकजन उपस्थित थे.

डॉ. दुबे को प्रो. सूर्य प्रकाश चतुर्वेदी स्मृति सम्मान

इंदौर. प्रेरणा पुरुष अंग्रेजी के प्राध्यापक किंतु हिंदी के पक्षधर साहित्य तथा क्रिकेट के प्रेमी हिंदी साहित्य समिति के पूर्व प्रधानमंत्री प्रोफेसर सूर्य प्रकाश चतुर्वेदी की स्मृति में दूसरा सम्मान डॉक्टर आशुतोष दुबे को प्रदान किया गया.

समिति में आयोजित सम्मान समारोह में उत्सव पुरुष डॉक्टर दुबे ने कहा कि वह मेरे गुरु थे. प्रेरणा पुरुष रहे. हिंदी के माध्यम से उन्होंने क्रिकेट को लोकप्रिय बनाया. उनकी स्मृति में सम्मान मेरे लिए स्नेह आशीष है. वह साहित्य और कला के भी प्रेमी रहे. मुख्य अतिथि संजय जगदाले ने चतुर्वेदी के साथ और उनके परिवार के साथ की कई स्मृतियां साझा की और कहा कि वह हिंदी उर्दू अंग्रेजी के संगम थे. अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समिति के प्रधानमंत्री अरविंद जवलेकर ने कहा कि वह एक कर्मठ व्यक्तित्व से समिति को एक नई दिशा दी हमेशा याद आते रहेंगे. सम्मान समिति के संयोजक डॉ. जवाहर चौधरी ने डॉ. दुबे व चतुर्वेदी जी दोनों के कृतित्व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला. सरस्वती वंदना वाणी जोशी ने प्रस्तुत की. अतिथियों का स्वागत सर्वश्री घनश्याम यादव, अरविंद ओझा एवं आशीष जोशी ने किया, सम्मान पत्र का वाचन डॉक्टर पदमा सिंह ने किया. संचालन मुस्कान राज ने तथा अंत में आभार पुनीत चतुर्वेदी ने व्यक्त किया. इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र दुबे, हरे राम बाजपेई, प्रभा चतुर्वेदी, ज्योति जैन, डॉक्टर गरिमा दुबे. मोहन रावल, संजय पटेल, मोहन अग्रवाल, घटा चतुर्वेदी, रवींद्र व्यास आदि काफी संख्या में सुधिजन साहित्यकार व चतुर्वेदी परिवार के सदस्य उपस्थित थे.